

हारे हुआ की मंजिल है खाटू का धाम रे भजन लिरिक्स



हारे हुआ की मंजिल है,
खाटू का धाम रे।

जाते हैं जो खाटू धाम,
बण जाते काम रे,
हारे हुआ की मंजिल है,
खाटू का धाम रे। **bdI**

जो भी खाटू जावे से,
प्यार बाबा का पावे से,
खाटू में बैठा बाबा,
भक्ता ने माल लूटावै से,
सच्चे मन से जाते,
बण जाते काम रे,
हारे हुआ की मंजिल है,
खाटू का धाम रे। **bdI**

दानी के दरबार में,
भीड़ कसूती होरी से,
सी.ए. की तरह काम करें,
ऐसी चर्चा होरी से,
हार कर जाते जो भी,
पकड़े हाथ रे,
हारे हुआ की मंजिल है,
खाटू का धाम रे। **bdI**

श्याम भक्तों की नैया,
खाटू वालों चलावे से,
जब भी नैया डूबे,
बिन पतवार चलावे से,
नैया का माझी,
बण जाता श्याम रे,
हारे हुआ की मंजिल है,
खाटू का धाम रे। **bdI**



जब जब बाबा मैं हारा,
तू ही सहारा बण जा से,
'टिंकू' की नैया का बाबा,
तू ही किनारा बण जा से,
जिंदगी के दुखों से,
तू बाहर निकाल रे,
हारे हुआ की मंजिल है,
खाटू का धाम रे।bd।

जाते हैं जो खाटू धाम,
बण जाते काम रे,
हारे हुआ की मंजिल है,
खाटू का धाम रे।bd।

Singer / Upload – Tinku Goyal
8168040655
